Roll No. .....

Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **4**

(2034)

UG (CBCS) IInd Year Annual Examination

2912

B.A. SANSKRIT

(Sanskrit Natak)

(DSC-1C)

Paper : SKT-DSC-201

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

(अनिवार्य)

1. (अ) निम्नलिखित प्रश्नानां एकपदेन उत्तराणि लिखत–

(i) कर्णभारम् नाटकस्य नायकः कः ?

(ii) अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकस्य लेखकः कः वर्तते ?

(iii) कर्णस्य कवचं कुण्डले च भिक्षायां केन गृहीते ?

(iv) अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके कति अङ्का सन्ति ?

(v) संस्कृतभाषायां कति वचनानि भवन्ति ?

(iii) क इदानीमुष्णोदकेन नवमालिकां सिंचति ?

(iv) ओदकान्तात्स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्यः। 2×5=10

खण्ड-घ

4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में वर्णित प्रकृति के मानवीकरण का वर्णन कीजिए।

अथवा

कर्णभार में वर्णित कर्ण की दानवीरता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 10×1=10

खण्ड-ङ

5. "काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला" की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

अथवा

महाकवि कालिदास की रचनाओं का संक्षेपपूर्वक वर्णन लिखिए। 10×1=10

(vi) कर्णः कः आसीत् ?

(vii) ..... ख्यातवृत्तं स्यात् पञ्चसन्धिसमन्वितम्।
रिक्त स्थानं पूरयत।

(viii) रत्नावली कस्य कृतिरस्ति ?

(ix) मुद्राराक्षस्य लेखकः कः अस्ति ?

(x) शक्रः कस्य नाम वर्तते ? 1×10=10

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(ii) युद्ध में कर्ण की मनोस्थिति का वर्णन कीजिए।

(iii) इन्द्र द्वारा कवच-कुण्डल ग्रहण की घटना का वर्णन कीजिए।

(iv) व्याख्या कीजिए–नाटक अथवा नायक।

(v) शकुन्तला को वस्त्राभूषण किसने भेंट किए ? 4×5=20

खण्ड-ख

2. किन्हीं **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए–

(क) संग्रामे तुमुले जाते कर्णाय कलिताञ्जलिः।
निवेदयति संभ्रान्तो भृत्यो दुर्योधनाज्ञया॥

(ख) आः अतिथिपरिभाविनी, विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा,
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्,
कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव॥

(ग) अङ्गै सहैव जनितं मम देहरक्षा देवासुरैरपि न भेद्यमिमं सहस्रैः।
देयं तथापि कवचं सह कुण्डलाभ्यां प्रीत्या मया भगवते-रुचितं-यदि स्यात्॥

(घ) ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।
सुतं त्वमपि सम्राजं सैव पुरुमवाप्नुहि॥ 2×5=10

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(i) हुतं च दतं च तथैव तिष्ठति।

(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव।